

हनिवन्त पुं. (देश.) 'हनुमान'।

हनीमून पुं. (अं.) (पाश्चात्य रीति के अनुसार) विवाह के बाद वर-वधू द्वारा मनोरंजन, आमोद-प्रमोद हेतु कहीं बाहर जाना टि. हिंदी में इसका पर्याय 'मधु चंद्र' किया है अर्थात् वर-वधू के मिलन की प्रथम रात्रि।

हनु पुं. (तत्.) मुख का ऊपरी जबड़ा, दाढ़ की हड्डी, ठोढ़ी, चिबुक 2. पुं. (तद्.) 'हनुमान'।

हनुका स्त्री. (तत्.) दाढ़ की हड्डी।

हनुग्रह पुं. (तत्.) रोग विशेष जिसमें जबड़े बैठ जाते हैं, खुलते नहीं, हनुस्तंभ।

हनुथल पुं. (तत्.) 'हनुस्थल' ठोढ़ी के नीचे का भाग उदा. "मंजुल चिबुक मनोरम हनुथल"।

हनुफाल पुं. (तत्.) वह मात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में बारह-बारह मात्राएं तथा अंत में गुरु-लघु होते हैं।

हनुभेद पुं. (तत्.) जबड़े का खुलना।

हनुमंत पुं. (तद्.) अंजना के पुत्र रामभक्त हनुमान।

हनुमंत-उड़ी स्त्री. (तद्.) मालखंभ व्यायाम का एक प्रकार जिसमें नीचे सिर करके पैर ऊपर की ओर करके सामने लाए जाते हैं और फिर ऊपर खिसकते हैं।

हनुमंती स्त्री. (तत्.) मालखंभ की एक कसरत जिसमें एक पाँव के अँगूठे से बैठ पकड़कर तथा फिर दूसरे पैर की अंटी देकर उससे बैठ पकड़ते हैं।

हनुमज्जयंती स्त्री. (तत्.) ['हनुमत्+जयंती'] कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी (छोटी दीपावली) के दिन रामभक्त पवनसुत हनुमान की जन्मतिथि के उपलक्ष्य में होने वाला जयंती-उत्सव।

हनुमत्कवच पुं. (तत्.) 1. एक मंत्र जिसे लोग ताबीज आदि में रखकर हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए प्रायः गले में पहनते हैं 2. हनुमान का एक स्तोत्र।

हनुमद्धारा स्त्री. (तत्.) चित्रकूट का एक पवित्र स्थान।

हनुमान वि. (तत्.) 1. दाढ़वाला, जबड़े वाला, ठोढ़ी वाला 2. बहुत बड़ा वीर पुं. (तत्.) 1. देवता के रूप में माने जाने वाले, रामभक्त पंपा के एक प्रसिद्ध वानर वीर जिन्होंने सीताहरण के बाद रामचंद्र की पूरी सेवा तथा सहायता की थी।

हनुमान-बैठक स्त्री. (तत्.+हि.) एक प्रकार का व्यायाम जिसमें एक पैर आगे पैंतरे की भाँति आगे करके (बढ़ाकर) उठते बैठते हैं।

हनुमोक्ष पुं. (तत्.) दाढ़ का एक रोग जिसमें अतिशय पीड़ा होती है जिससे मुँह खोलना भी बहुत कष्टकारक होता है।

हनुल वि. (तत्.) पुष्ट दाढ़ों तथा जबड़ों वाला।

हनुवै पुं. (तत्.) हनुमान।

हनुस्तंभ पुं. (तत्.) आयु. हनुग्रह, जबड़े के जकड़ जाने की पीड़ा वाले धनुष्टंकार रोग का एक भेद, इसमें जबड़ा जल्दी नहीं खुलता अपितु खोलना अत्यंत कष्टकारक होता है, धनुर्वात रोग का एक प्रकार जिसमें उक्त अवस्था हो जाया करती है।

हनुँ पुं. (देश.) हनुमान्।

हनु स्त्री. (तत्.) ठोढ़ी, चिबुक, 'हनु' और 'हनु' संस्कृत में समानार्थक हैं परंतु दोनों में लिंग भेद होता है।

हनुमान पुं. (तद्.) हनुमान्।

हनुष पुं. (तत्.) राक्षस, दैत्य।

हनोद पुं. (देश.) हिंडोल राग का पुत्र बताया जाने वाला संगीत का एक राग।

हनोज क्रि.वि. (फा.) 1. अभी 2. अभी तक।

हन्न वि. (तत्.) मलत्याग किया हुआ पुं. मल, विष्ठा।

हन्नाह पुं. (तद्.) सन्नाह, कवच।

हन्यमान वि. (तत्.) 1. हनन करने योग्य, हननीय 2. हनन या समाप्त होने वाला।

हप पुं. (अनु.) मुँह में किसी वस्तु को चट से रखकर होठों को बंद कर खाने का शब्द।